मुख्य मंत्री

कुमारी मायावती

का

2003-2004 के बजट अनुमानों

पर

बजट भाषण

वर्ष 2003-2004 के बजट अनुमानों पर मुख्य मंत्री कुमारी मायावती का बजट भाषण

माननीय अध्यक्ष महोदय,

आपकी अनुमति से मैं, वित्तीय वर्ष 2003-2004 का बजट, इस सम्मानित सदन के समक्ष प्रस्तुत कर रही हूँ ।

यह मात्र अन्तरिम बजट है, जिसमें केवल वचनबद्ध व्यय के अनुमान सम्मिलित किये गये हैं । इस समय सम्पूर्ण बजट इस कारण प्रस्तुत नहीं किया जा रहा है क्योंकि प्रदेश की जनता की विकास की आशाओं एवं आकांक्षाओं के अनुरूप वार्षिक योजना 2003- 2004 का आकार एवं स्वरूप अभी निर्धारित नहीं हो पाया है ।

इस अन्तरिम बजट पर आधारित 6 महीने की अवधि का एक लेखानुदान भी भारत के संविधान के अनुच्छेद 206 के अधीन उल्लिखित प्राविधानों का उपयोग करते हुए प्रस्तुत किया जा रहा है । इसके साथ एक श्वेत-पत्र भी प्रस्तुत है जिसमें इस सदन के

माननीय सदस्यों के उपयोगार्थ आवश्यक सूचना का समावेश किया गया है ।

मान्यवर,

यह अनुमान लगाया गया है कि वित्तीय वर्ष 2003-2004 में कुल छप्पन हजार तीन सौ बासठ करोड़ चौहत्तर लाख रुपये (रु. 56362.74 करोड़) की प्राप्तियाँ होंगी जिसमें चौंतीस हजार पाँच सौ सोलह करोड़ चार लाख रुपये (रु. 34516.04 करोड़) की राजस्व प्राप्तियाँ, इक्कीस हजार एक सौ तिरसठ करोड़ आठ लाख रुपये (रु. 21163.08 करोड़) की लोक ऋणों से प्राप्तियाँ तथा छः सौ तिरासी करोड़ बासठ लाख रुपये (रु. 683.62 करोड़) की ऋणों और अग्रिमों की वसूलियों से होने वाली प्राप्तियाँ सम्मिलित हैं । राजस्व प्रप्तियों की चौंतीस हजार पाँच सौ सोलह करोड़ चार लाख रुपये (रु. 34516.04 करोड़) की राशि में राज्य के अपने कर राजस्व से चौदह हजार पाँच सौ पन्द्रह करोड़ पाँच लाख रुपये (रु. 14515.05 करोड़), केन्द्रीय करों में राज्यांश से बारह हजार दो सौ सात करोड़ चौबीस लाख रुपये (रु. 12207.24 करोड़), करेतर राजस्व से

एक हजार आठ सौ सैंतालीस करोड़ चौव्वन लाख रुपये (रु. 1847.54 करोड़) तथा भारत सरकार से सहायक अनुदान के रूप में पाँच हजार नौ सौ छियालिस करोड़ इक्कीस लाख रुपये (रु. 5946.21 करोड़) के अनुमान सम्मिलित हैं । लोक ऋणों से इक्कीस हजार एक सौ तिरसठ करोड़ आठ लाख रुपये (रु. 21163.08 करोड़) की अनुमानित प्राप्तियों के अन्तर्गत भारत सरकार से प्राप्य चार हजार चार सौ अट्ठारह करोड़ सत्तासी लाख रुपये (रु. 4418.87 करोड़) तथा अन्य स्रोतों से प्राप्य सोलह हजार सात सौ चवालीस करोड़ इक्कीस लाख रुपये (रु. 16744.21 करोड़) के ऋण सम्मिलित हैं ।

बजट वर्ष में फिलहाल कुल अट्ठावन हजार पाँच सौ तैंतालीस करोड़ अट्ठानवे लाख रुपये (रु. 58543.98 करोड़) का व्यय अनुमानित है जिसमें से दस हजार आठ सौ उनहत्तर करोड़ पचास लाख रुपये (रु. 10869.50 करोड़) का व्यय आयोजनागत पक्ष में तथा सैंतालीस हजार छः सौ चौहत्तर करोड़ अड़तालीस लाख रुपये (रु. 47674.48 करोड़) का व्यय आयोजनेतर पक्ष में होगा । आयोजनेतर पक्ष के कुल सैंतालीस हजार छः

सौ चौहत्तर करोड़ अड़तालीस लाख रुपये (रु. 47674.48 करोड़) के व्यय में चौंतीस हजार चार सौ अट्ठासी करोड़ उन्नीस लाख रुपये (रु. 34488.19 करोड़) का व्यय राजस्व लेखे तथा तेरह हजार एक सौ छियासी करोड़ उन्तीस लाख रुपये (रु. 13186.29 करोड़) का व्यय पूंजी लेखे के अन्तर्गत अनुमानित है । पूंजी लेखे के व्यय के अनुमानों में कुल अट्ठारह हजार तीन सौ इकतालीस करोड़ अड़सठ लाख रुपये (रु. 18341.68 करोड़) का व्यय निहित है, जिसमें ऋणों के प्रतिदान के लिये तेरह हजार एक सौ तीस करोड़ चौवालीस लाख रुपये (रु. 13130.44 करोड़), ऋणों और अग्रिमों के संवितरण के लिये छः सौ अस्सी करोड़ उन्तीस लाख रुपये (रु. 680.29 करोड़) एवं पूंजीगत परिव्यय के लिये चार हजार पाँच सौ तीस करोड़ पिचानवे लाख रुपये (रु. 4530.95 करोड़) की राशियाँ सम्मिलित हैं ।

इस प्रकार वर्ष 2003-2004 में राज्य की समेकित निधि में सम्प्रति कुल दो हजार एक सौ इक्यासी करोड़ चौबीस लाख रुपये (रु. 2181.24 करोड़) के घाटे का अनुमान है । लोक लेखे के अन्तर्गत तीन हजार चार

सौ निन्यानवे करोड़ छब्बीस लाख रुपये (रु. 3499.26 करोड़) की अनुमानित शुद्ध प्राप्तियों को सम्मिलित करने पर समस्त लेन-देनों का शुद्ध परिणाम एक हजार तीन सौ अट्ठारह करोड़ दो लाख रुपये (रु. 1318.02 करोड़) हो जाने की सम्भावना है ।

उपर्युक्त अनन्तिम अनुमानों के आधार पर बजट वर्ष का एक हजार दो सौ पैंतीस करोड़ अट्ठानवे लाख रुपये (रु. 1235.98 करोड़) का ऋणात्मक प्रारम्भिक शेष बयासी करोड़ चार लाख रुपये (रु. 82.04 करोड़) के अन्तिम शेष से समाप्त होने का अनुमान है । वित्तीय वर्ष 2003-2004 के अन्तिम शेष का वास्तविक अनुमान सम्पूर्ण बजट को अन्तिम रूप दिये जाने के उपरान्त उपलब्ध हो सकेगा ।

चूंकि यह अन्तरिम बजट ही है, अतः मैं इस चरण में माननीय सदन का अधिक समय नहीं लेना चाहूँगी । माननीय सदस्यगण अपने विचार एवं सुझाव उस समय दे सकेंगे जब मैं माननीय सदन के समक्ष वर्ष 2003-2004 के लिये सम्पूर्ण बजट प्रस्तुत करूँगी । मेरा अनुरोध है कि माननीय सदन द्वारा इस अन्तरिम बजट को अनुमोदन प्रदान करते हुए लेखानुदान पारित किया जाय ।

मान्यवर, मैं वर्ष 2003-2004 का बजट तथा 6 महीने की अवधि के लिये लेखानुदान प्रस्तुत करती हूँ ।

फाल्गुन 13, शक संवत् 1924,
तदनुसार,
दिनांक 04 मार्च, 2003